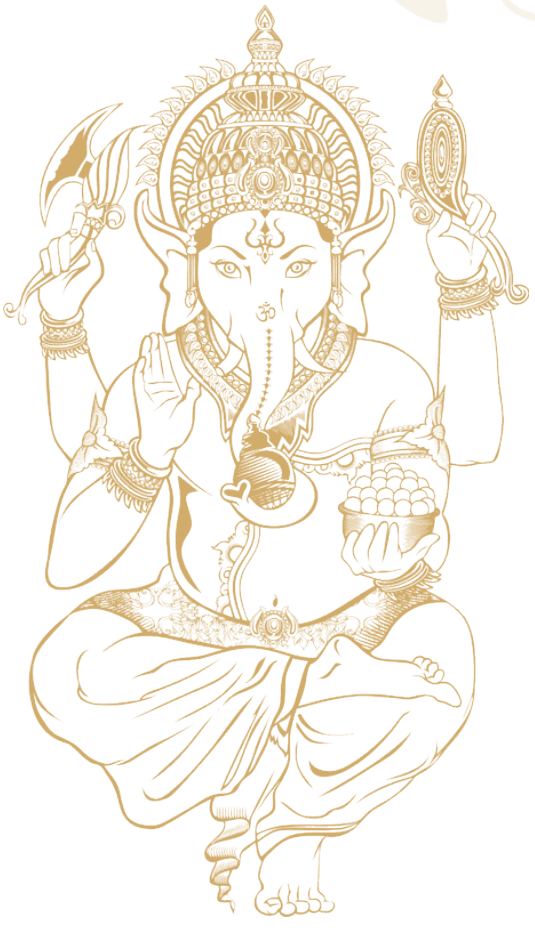

Utkarsh 20

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121880603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/04/1996	जन्म तिथि	12/09/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:22:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 21:04:11	जन्म समय(घटी)	31:13:12 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Kota
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:56:19	सूर्योदय	06:10:53
18:54:27	सूर्यास्त	18:33:42
23:48:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 3मा 20दि	09:07:36	सिंह	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि
गुरु	08:42:09	मेष	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु
12/08/2017	00:22:17	मिथु	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009
12/08/2033	28:20:01	मीन	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027
गुरु 30/09/2019	28:43:42	मेष	बुध	सिंह	14:01:36	राहु 09/10/2011
शनि 12/04/2022	23:36:50	धनु	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु 04/03/2014
बुध 18/07/2024	22:26:28	वृष	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि 08/01/2017
केतु 24/06/2025	07:56:46	मीन	शनि व	मेष	09:08:01	बुध 28/07/2019
शुक्र 23/02/2028	23:14:28	कन्या व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु 15/08/2020
सूर्य 11/12/2028	23:14:28	मीन व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र 15/08/2023
चन्द्र 12/04/2030	10:39:56	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य 09/07/2024
मंगल 19/03/2031	03:55:58	मक	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र 08/01/2026
राहु 12/08/2033	08:43:04	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल 26/01/2027

लग्न-चलित

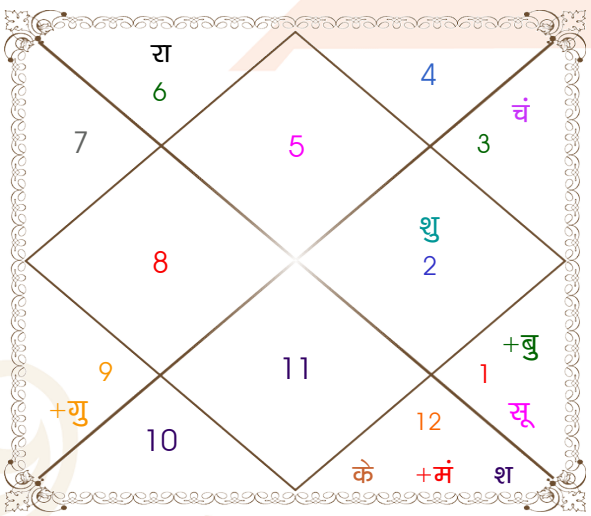

लग्न-चलित

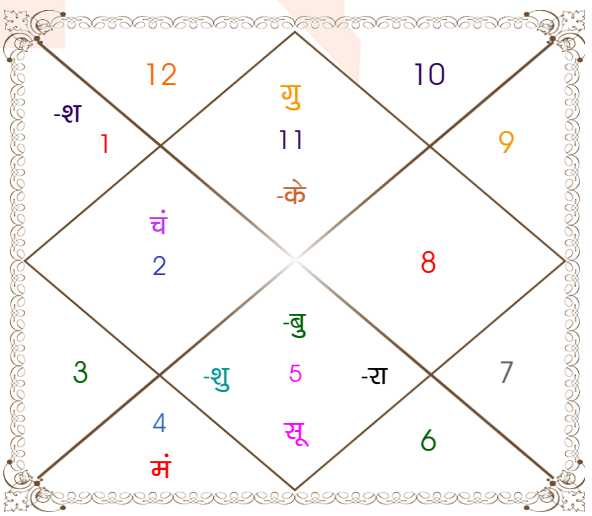

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूV दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

न्जांती 20 का वर्ग मार्जार है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार न्जांती 20 और V का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

न्जांती 20 मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल न्जांती 20 कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि V कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है। न्जांती 20 तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।